जीतना है... तो मुस्कान हो राम जैसी

ब्र.कु. मोनिका,शांतिवन

हँसी... एक बहुत ही छोटा... साधारण-सा शब्द, एक बहुत ही छोटी... साधारण-सी क्रिया। इतनी साधारण कि किसी को भी इसे सीखने या सिखाने की ज़रूरत नहीं। एक जन्मजात शिशु भी बड़ी ही सहजता और कुशलता से हँसता व मुस्कुराता है। और जब ये क्रिया शिशु के लिए इतनी सहज है तो फिर बड़ों की बात ही क्या! हम सभी भी साथ अपनी भावना प्रकट करती। भले हँसी कुछ कहती नहीं... पर सबकुछ कह जाती। हँसी... दिल के हर राज़ से पर्दा उठा जाती।

ये हँसी केवल एक क्रिया नहीं, एक कमाल की कला है। इसके कई रूप हैं। इसके अलग-अलग रूप अलग-अलग रंग बिखेरते हैं। देखिए... यदि सही बात पर हँस रहे हैं तो सभी का मनोरंजन हो जाएगा, सभी को आनंद

दिन भर में न जाने कितनी ही बार हँसते व मुस्कुराते होंगे। और इसमें कुछ सोचने, समझने या समय लगाने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती। किसी ने कुछ कहा... कहीं से कुछ सुना... मन में कुछ बात आई... और फिर बस... दे दी प्रतिक्रिया अपनी हँसी से! लेकिन आप देखेंगे... हर बार की हँसी कुछ अलग ही रंग दिखाती। अलग-अलग भाव-भंगिमाओं के आएगा। लेकिन यदि किसी का मज़ाक उड़ाने के लिए ठहाके लगाकर हँस रहे हैं तो वो हँसी सामने वाले को चोट पहुंचा सकती है, उसे दुःखी भी कर सकती है। यदि किसी पर व्यंग्य कसने के लिए हम हँस रहे हैं तो हमारे होंठ और हमारी भौहें चढ़ी हुई होंगी और सामने वाले को हमसे उसके प्रति घृणा और कटुता का आभास हो जायेगा।

आप देखेंगे... कोई हँसी मनोरंजन कर रही है, कोई हँसी दुःख पहुंचा रही है और कोई कटुता का आभास करा रही है। ऐसी एक दो नहीं... कई प्रकार की हँसी हमें जीवन में देखने को मिलती हैं और हर हँसी के भिन्न-भिन्न परिणाम सामने आते हैं। लेकिन एक हँसी ऐसी है जो हर परिस्थिति में, हर हालात में हमें विजयी बनाती है। वो है आत्मविश्वास की हँसी। जिसका एक सटीक उदाहरण हमें श्रीराम के रूप में देखने को मिलता है। राम धीर-गंभीर, मर्यादा पुरुषोत्तम थे, और साथ ही हँसी के मामले में बड़े परिपक्व थे। उनका मौन और हँसी दोनों ही निराले थे। शास्त्रों में ये वर्णन आता है कि रावण से युद्ध करते हुए श्रीराम कई बार हँसे और हर बार उस हँसी के पीछे एक गहराई थी। रावण ने जब अपनी माया से एक साथ बहुत से रावण पैदा किए तो देवता, वानर सब डर गए। रामजी को लगा कि अब तो इसे रोकना पड़ेगा। रावण की माया को काटने के लिए रामजी ने धनुष-बाण साधा और मुस्कुराए।

इस दृश्य पर तुलसीदास जी ने लिखा, 'सुर बानर देखे बिकल हंस्यो कोसलाधीस। सजि सारंग एक सर हते सकल दससीस।। राम मुस्कुराए और एक ही बाण में रावण की सारी माया हर ली। तो क्या राम जी रावण को पहले ही नहीं रोक सकते थे! पहले ही उसे खत्म नहीं कर सकते थे! अवश्य कर सकते थे। रावण को खत्म करना श्रीराम के लिए पल भर का काम था, लेकिन वो रावण को अपने काल से बचने का अवसर और सभी को ये सीख दे रहे थे कि किसी न किसी रावण के रूप में ज़िन्दगी में परिस्थितियां, चुनौतियां आती ही रहेंगी। एक से निपटोगे, दूसरी पैदा हो जाएगी। अपनी शिक्षा, योग्यता और परिश्रम से इनके समाधान के लिए तैयार रहें, तनावग्रस्त नहीं होना है, मुस्कुराते हुए उनसे निपटना है।

राम की हँसी आत्मविश्वास की थी। वे जानते थे कि असत्य चाहे कितना ही अंधकार फैला दे, अपनी माया की छाया में कितना ही भ्रमित कर दे, लेकिन सत्य एक ऐसा सूर्य है जिसे झूठ के काले घने बादल भी छिपा नहीं सकते और अंततः विजय सत्य की ही होती है। और इसीलिए वे गंभीर और आत्मविश्वासी मुस्कान लिये युद्ध लड़ रहे थे। ये जीवन भी एक युद्ध का मैदान है। अब ये हमपर निर्भर करता है कि हम रावण की तरह लड़ें या राम की तरह। राम की तरह हँसते हुए लड़ेंगे तो जीत सुनिश्चित है, रावण की तरह अभिमान के ठहाके मारेंगे तो हारने से कोई बचा नहीं सकता।

अहमदनगर-महा.। ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके एवं ब्र.कु. डॉ. सुवर्णा द्वारा भारत के प्राचीन राजयोग के प्रचार-प्रसार के लिए किए गए कार्यों एवं विश्व कीर्तिमानों के लिए विख्यात फोर्ब्स मैगज़ीन ने अपने 'मॉडर्न इंडियाज़ गेम चेंजर्स' विशेषांक में उनकी सराहना एवं प्रशंसा की। फोर्ब्स मैगज़ीन की कॉपी रालेगण सिद्धि में वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हज़ारे को भेंट करते हुए ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके।

केशोद-गुज.। सेवाकेन्द्र पर सांसद रमेश धडुक, विधायक देवाभाई मालम तथा अन्य अग्रणी लोगों के साथ आध्यात्मिक चर्चा करने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. रूपा।

गया-ए.पी. कॉलोनी(बिहार)। नये वर्ष के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता, मखदुमपुर क्षेत्र के विधायक एवं समाजसेवी सतीश कुमार दास तथा अन्य।

बाजीपुरा-बारडोली(गुज.)। राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर किसानों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित हैं जिगर भाई,ऑर्गेनिक फार्मर, सुनीता चौधरी,एग्रीकल्चर टीचर, ब्र.कु. विनु भाई पारडी,वलसाड, समीर भक्त,चेयरमैन,मढ़ी शुगर फैक्ट्री, शांतिलाल पटेल,चेयरमैन,ए.पी.एम.सी.,वालोड, अल्पेश भाई, डॉ. रक्षा भट्ट तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रीति बहन।

नागपुर-महा.। राज्य सरकार द्वारा आयोजित '15वें राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2020' कार्यक्रम में विश्व शांति सरोवर,वर्ल्ड रिन्युअल स्पीरिचुअल ट्रस्ट,नागपुर को मिला आवासीय भवन क्षेत्र के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार। जिसे स्थानीय संचालिका ब्र.कु. रजनी ने प्राप्त किया। ब्रह्माकुमारीज़ एजुकेशनल सोसायटी,पुणे,जगदम्बा भवन को एन.जी.ओ. सेक्टर के अंतर्गत मिला द्वितीय पुरस्कार, जिसे ब्र.कु. सुनंदा ने प्राप्त किया तथा बी.के.ई.एस. प्रोजेक्ट एनर्जी ऑडिटर ब्र.कु. केदार व्यक्तिगत क्षेत्र में चुने गये।

हाथरस-उ.प्र.। इगलास में आयोजित 'विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश गोष्ठी प्रदर्शनी' में ब्रह्माकुमारीज आनंदपुरी कॉलोनी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. शांता बहन ने सभी को ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा चलाये जा रहे शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर ब्र.कु. हेमलता, इगलास विधायक राजकुमार सहयोगी, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनुज झा, जिलाधिकारी इन्द्रभूषण जी सहित बड़ी संख्या में किसान भाई मौजूद रहे।

फ्लोरिडा-यू.एस.ए.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित ऑनलाइन रिट्रीट प्रोग्राम में जर्मनी से ब्र.कु. डेनिस तथा ब्र.कु. मोहिनी दीदी ने विभिन्न विषयों पर सभी का मार्गदर्शन किया। मरियान,मियामी तथा क्रेग,डेलरे ने इस ऑनलाइन सत्र की सुविधा उपलब्ध कराई।

भद्रक-ओडिशा। कलेक्टर ज्ञान दास तथा एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट श्याम भक्त मिश्रा का ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर स्वागत करते हुए ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. अरुण कुमार पण्डा,सीनियर जर्नलिस्ट,कटक तथा अन्य।

जम्मू। प्रो. कुलभूषण म्होत्रा,इंचार्ज,लाइब्रेरी एंड डॉक्युमेंटेशन डिपार्टमेंट,बी.जे.पी.,जम्मू एंड कश्मीर को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. सुदर्शन दीदी। साथ हैं ब्र.कु. रविन्दर, ब्र.कु. रमा तथा रवि बख्शी,एक्ज़ीक्युटिव मेम्बर,बी.जे.पी.,जम्मू एंड कश्मीर।

रतलाम-नज़रबाग कॉलोनी(म.प्र.)। नव वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीमा तथा अन्य भाई-बहनें।

ब्यावरा-अपना नगर(म.प्र.)। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक एक पैर से साइकिल चलाकर यात्रा पूरी कर विजेता बनीं इंजीनियर तान्या डागा के ब्यावरा लौटने पर स्थानीय सेवाकेन्द्र पर ब्र.कु. रुक्मिणी द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वैष्णवी कसेरा, शिक्षिका अनीता सोनी, सुमन कसेरा, वंशिका, ब्र.कु. रचनी बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

रशिया-ट्यूमेन। सामाजिक रूप से उन्मुख गैर सरकारी संगठनों के गठबंधन की पाँचवी वर्षगांठ पर सेम्य रिजनल सेंटर में ट्रैजेक्टरी ऑफ होप चैरिटेबल फाउण्डेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सभी गैर सरकारी संगठनों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ब्र.कु. लरिसा जुरवस्काया ने पुरस्कार प्राप्त किया।